CBSE Class 10 - Hindi A
Sample Paper 06 (2020-21)

Maximum Marks: 80
Time Allowed: 3 hours

General Instructions:

i. इस प्रश्न-पत्र में दो खंड हैं – खंड – अ और खंड – ब।
ii. खंड-अ में कुल 9 वस्तुपरक प्रश्न पूछे गए हैं। सभी प्रश्नों में उप प्रश्न दिए गये है।
iii. खंड-ब में कुल 8 वर्णात्मक प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।
iv. दिये गए निर्देशों का पालन करते हुए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खंड-अ वस्तुपरक प्रश्न

1. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-**

ऊँची पर्वत श्रृंखलाओं की बरफ़ीली चोटियों के स्पर्श से शीतल हुई हवा सबसे बेखबर अपनी ही मस्ती में सुबह-सुबह बहती जा रही थी। जब वह जंगलों के बीच से गुजर रही थी, तो फूलों से लदी खूबसूरत वन लता ने अपने रंग भरे श्रृंगार को झलकाते हुए कहा, ओ शीतल हवा! तनिक मेरे पास आओ और रुको। ताकि मेरी खुशबू से ओतप्रोत होकर इस संसार को अपठित गद्यांश शीतल ही नहीं, सुगंधित भी कर सको लेकिन गर्व से भरी वायु ने सुगंध बाँटने को आतुर लता की प्रार्थना नहीं सुनी और कहा, मैं यूँ ही सबको शीतल कर दूँगी, मुझे किसी से कुछ और लेने की ज़रूरत नहीं है। फिर वह इठलाती हुई आगे बढ़ गई।

पर कुछ ही देर बाद हवा वापस वहीं लौटकर आ गई, जहाँ वन लता से उसका वार्तालाप हुआ था। उसकी चंचलता खत्म हो चुकी थी और वह उदास थी। वह चुपचाप उस लता के समीप बैठ गई।

हवा को इस हाल में देखकर वन लता ने पूछा, अभी कुछ देर पहले ही तो तुम यहाँ से गुज़री थी और खुश लग रही थी। अब इतनी उदास दिखाई पड़ रही हो, क्या बात है? क्या मैं तुम्हारी कुछ मदद कर सकती हूँ? यह सुनकर हवा की आँखों से आँसू झरने लगे। उसने कहा, मैंने अहंकारवश तेरी बात नहीं सुनी और न तेरी खुशबू को ही साथ लिया, लेकिन जैसे ही आगे बढ़ी, गंदगी और बदबू में घिर गई। किसी तरह वहाँ से बचकर आगे बढ़ी और घरों तक पहुँची, लेकिन वहाँ किसी ने मेरा स्वागत नहीं किया। लोगों ने अपने घरों की खिड़कियाँ और दरवाजे बंद कर लिए। इसमें उनका भी कोई दोष नहीं था।उस गंदे क्षेत्र से गुजरने के कारण मुझमें दुर्गंध व्याप्त हो गई थी। भला दुर्गंधयुक्त वायु का कोई कैसे स्वागत करता?

I. हवा को किस पर घमंड था?
   i. अपनी शीतलता पर
   ii. अपनी गति पर
   iii. अपनी शक्ति पर
   iv. अपनी उडान पर

II. लता क्या करने के लिए आतुर थी?
   i. हवा के साथ जाने को
   ii. सुगंध बाँटने को
   iii. लोगों से मिलने को
   iv. घूमने को

III. हवा को किसने रोका और क्यों?
   i. लता ने , क्योंकि वह भी जाना चाहती थी
   ii. गंदगी ने, क्योंकि उसे हवा पसंद नहीं थी
   iii. लोगों ने, क्योंकि हवा दुर्गन्धयुक्त हो गई थी
   iv. पर्वतों ने , क्योंकि वे उसे जाने नहीं देना चाहते थे

IV. गंदगी और बदबू का हवा पर क्या असर पड़ा?
   i. हवा सुगन्धयुक्त हो गई थी
   ii. हवा दुर्गन्धयुक्त हो गई थी
   iii. हवा शीतल हो गई थी
   iv. हवा चलनी बंद हो गई थी

V. हवा ने वनलता से क्या सीख लिया होगा?
   i. दूसरों की बातों की उपेक्षा नहीं करनी चाहिए
   ii. दूसरों की बात नहीं सुननी चाहिए
   iii. अकेले नहीं जाना चाहिए
   iv. उसे लता के साथ जाना चाहिए

OR

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

आज की नारी संचार प्रौद्योगिकी, सेना, वायुसेना, चिकित्सा, इंजीनियरिंग, विज्ञान वगैरह के क्षेत्र में न जाने किन-किन भूमिकाओं में कामयाबी के शिखर छू रही है। ऐसा कोई क्षेत्र नहीं, जहाँ आज की महिलाओं ने अपनी छाप न छोड़ी हो। कह सकते हैं कि आधी नहीं, पूरी दुनिया उनकी है। सारा आकाश हमारा है। पर क्या सही मायनों में इस आज़ादी की आँच हमारे सुदूर गाँवों, कस्बों या दूरदराज के छोटे-छोटे कस्बों में भी उतनी ही धमक से पहुँच पा रही है? क्या एक आज़ाद, स्वायत्त मनुष्य की तरह अपना फैसला खुद लेकर मज़बूती से आगे बढ़ने की हिम्मत है उसमें?

बेशक समाज बदल रहा है मगर यथार्थ की परतें कितनी बहुआयामी और जटिल हैं जिन्हें भेदकर अंदरूनी सच्चाई तक पहुँच पाना आसान नहीं। आज के इस रंगीन समय में नई बढ़ती चुनौतियों से टकराती स्त्री की क्रांतिकारी आवाजें हम सबको सुनाई दे रही हैं, मगर यही कमाऊ स्त्री जब समान अधिकार और परिवार में लोकतंत्र की अनिवार्यता पर बहस करती या सही मायनों में लोकतंत्र लाना चाहती है तो वहाँ इसकी राह में तमाम धर्म, भारतीय संस्कृति, समर्पण, सहनशीलता, नैतिकता जैसे सामंती मूल्यों की पगबाधाएँ खड़ी की जाती हैं। नारी की सच्ची स्वाधीनता का अहसास तभी हो पाएगा जब वह आज़ाद मनुष्य की तरह

भीतरी आज़ादी को महसूस करने की स्थितियों में होगी।

I. नारी की वास्तविक आज़ादी कब होगी?
   i. जब वह भीतरी आज़ादी को महसूस कर पाएगी
   ii. जब वह बाहरी आज़ादी को महसूस कर पाएगी
   iii. जब वह भीतरी आज़ादी को महसूस नहीं कर पाएगी
   iv. जब वह किसी भी आज़ादी को महसूस नहीं कर पाएगी

II. नैतिकता शब्द से प्रत्यय अलग करके मूलशब्द भी लिखिए।
   i. नीति + कता
   ii. नैतिक + ता
   iii. नै + तिकता
   iv. नीति + इकता

III. कैसे कहा जा सकता है कि आधी दुनिया नहीं बल्कि पूरी दुनिया महिलाओं की है?
   i. क्योंकि आज की महिला स्वतंत्र है
   ii. क्योंकि आज महिला ने आज़ादी को महसूस किया है
   iii. क्योंकि आज महिला हर क्षेत्र में आगे है
   iv. क्योंकि आज महिला की सोच स्वतंत्र है

IV. नारी सही मायनों में क्या लाना चाहती है?
   i. समाजतंत्र
   ii. राजतंत्र
   iii. लोकतंत्र
   iv. शाहीतंत्र

V. गद्यांश के लिए सर्वाधिक उपयुक्त शीर्षक है -
   i. नारी
   ii. स्वतंत्र नारी
   iii. आज की नारी
   iv. आधुनिक नारी

2. **निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:**

कवि, कुछ ऐसी तान सुनाओ जिससे उथल-पुथल मच जाए,
एक हिलोर इधर से आए एक हिलोर उधर से आए।
प्राणों के लाले पड़ जाएँ, त्राहि-त्राहि स्वर नभ में छाए,
नाश और सत्यानाशों का धुआँधार जग में छा जाए।

बरसे आग, जलद जल जाए, भस्मसात भूधर हो जाए,

पाप-पुण्य सदसद् भावों की धूल उड़े उठ दाएँ-बाएँ।
नभ का वक्षस्थल फंट जाए, तारे टूक-टूक हो जाएँ।
कवि कुछ ऐसी तान सुनाओ, जिससे उथल-पुथल मच जाए।

I. काव्यांश में कवि किसका आह्वान कर रहा है ?
   i. स्वतंत्रता सेनानियों का
   ii. देशवासियों का
   iii. नवयुवकों का
   iv. लोगों का
II. कवि ने किस प्रकार के उथल-पुथल की कल्पना की है?
   i. विद्रोह करने वाले
   ii. क्रांति लाने वाले
   iii. आंधी लाने वाले
   iv. समाज में परिवर्तन लाने वाले
III. कवि देशवासियों को कैसी तान सुनाना चाहता है ?
   i. प्राचीन परम्पराओं को समाप्त करने की
   ii. परिवर्तन एवं नवनिर्माण करने की
   iii. बदलाव लाने की
   iv. सभी विकल्प सही हैं
IV. काव्यांश का मूल स्वर क्या है ?
   i. वीरता
   ii. ओजस्वी
   iii. रौद्र
   iv. हास्य
V. काव्यांश में किसकी धूल उड़ने की बात हो रही है ?
   i. पाप - पुण्य की
   ii. आग की
   iii. जल की
   iv. वर्षा की

OR

निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

हम प्रचंड की नई किरण हैं, हम दिन के आलोक नवल।
हम नवीन भारत के सैनिक, धीर, वीर, गंभीर, अचल।

हम प्रहरी ऊँचे हिमाद्रि के, सुरभि स्वर्ग की लेते हैं।
हम हैं शांति-दूत धरणी के, छाँह सभी को देते हैं।
वीर प्रसू माँ की आँखों के, हम नवीन उजियाले हैं।
गंगा, यमुना, हिंद महासागर के हम ही रखवाले हैं।
तन-मन-धन तुम पर कुर्बान,
जियो, जियो जय हिंदुस्तान!

हम सपूत उनके, जो नर थे, अनल और मधु के मिश्रण।
जिनमें नर का तेज प्रखर था, भीतर था नारी का मन।
एक नयन संजीवन जिनका, एक नयन था हालाहल।
जितना कठिन खड्ग था कर में उतना ही अंतर के मल।
थर-थर तीनों लोक काँपते थे जिनकी ललकारों पर।
स्वर्ग नाचता था रण में जिनकी पवित्र तलवारों पर।
हम उन वीरों की संतान
जियो, जियो जय हिंदुस्तान।

I. कविता में 'हम' कौन हैं?
   i. नई पीढ़ी के नवयुवक
   ii. सैनिक
   iii. देशभक्त
   iv. पुरानी पीढ़ी
II. भारतवासी हिंदुस्तान पर क्या-क्या न्योछावर करना चाहते हैं?
   i. धन
   ii. सर्वस्व
   iii. तन
   iv. आन
III. 'अनल और मधु के मिश्रण' किन्हें कहा गया है?
   i. देशभक्तों को
   ii. नागरिकों को
   iii. भारतीयों के पूर्वजों को
   iv. आग और शहद को
IV. नवीन भारत के सैनिक कैसे हैं?
   i. धीर - गंभीर
   ii. अधीर - गंभीर

iii. धीर - अगम्भीर

iv. अधीर - अगम्भीर

V. 'वीर प्रसू' किसे कहा गया है?

i. भारत माता को

ii. माता को

iii. सैनिक को

iv. पूर्वजों को

3. निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

i. रचना की दृष्टि से वाक्य के कितने भेद होते हैं ?

a. दो

b. तीन

c. चार

d. एक

ii. सरल वाक्य में एक कर्ता और एक _________ का होना आवश्यक है।

a. सर्वनाम

b. क्रिया

c. विशेषण

d. संज्ञा

iii. संज्ञा उपवाक्य किसका भेद है ?

a. मिश्र वाक्य का

b. विशेषण उपवाक्य का

c. संयुक्त वाक्य का

d. सरल वाक्य का

iv. पिताजी चाय पिएंगे या कॉफ़ी - रचना के आधार पर कौन से प्रकार का वाक्य है ?

a. संयुक्त वाक्य

b. मिश्र वाक्य

c. सरल वाक्य

d. क्रिया विशेषण

v. उसने कहा। वह जयपुर जा रहा है। - वाक्य का उचित मिश्र वाक्य होगा -

a. उसने कहा कि वह कल जयपुर जाएगा।

b. उसने अपने जयपुर जाने के के बारे में कहा।

c. वह कल जयपुर जाएगा उसने ऐसा कहा।

d. उसने कहा था वह कल जयपुर जाएगा।

4. निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:
   i. वाच्य के कितने प्रकार हैं ?
      a. तीन
      b. चार
      c. एक
      d. दो
   ii. कर्तृवाच्य में किसकी प्रधानता होती है ?
      a. कर्ता की
      b. कर्म की
      c. भाव की
      d. क्रिया की
   iii. कर्म की प्रधानता वाला वाच्य होता है -
      a. भाववाच्य
      b. ये सभी
      c. कर्तृवाच्य
      d. कर्मवाच्य
   iv. वह पैदल नहीं चल सकता - वाक्य में प्रयुक्त वाच्य लिखिए।
      a. भाववाच्य
      b. कर्मवाच्य
      c. क्रियावाच्य
      d. कर्तृवाच्य
   v. सूचना, विज्ञप्ति आदि में जहाँ कर्ता निश्चित न हो, वहाँ निम्नलिखित में से कौन सा वाच्य होगा -
      a. कर्मवाच्य
      b. भाववाच्य
      c. संज्ञावाच्य
      d. कर्तृवाच्य
5. निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:
   i. वाक्य में प्रयुक्त पदों का व्याकरणिक परिचय देना __________ कहलाता है।
      a. अर्थ
      b. शब्द
      c. भाव
      d. पद परिचय
   ii. राधा मधुर गीत गाती है। रेखांकित पद का उचित पद परिचय होगा -

a. क्रिया

b. विशेषण

c. संज्ञा

d. काल

iii. वह भावुक व्यक्ति है - रेखांकित पद का उचित पद परिचय होगा -

a. गुणवाचक विशेषण

b. संख्यावाचक विशेषण

c. सार्वनामिक विशेषण

d. परिमाणवाचक विशेषण

iv. हमेशा तेज़ चला करो। रेखांकित पद के लिए उचित परिचय होगा -

a. विस्मयादिबोधक

b. क्रियाविशेषण

c. समुच्चयबोधक

d. संबंधबोधक

v. मैं यह दुःख नहीं सह सकता। रेखांकित पद के लिए उचित परिचय होगा -

a. व्यक्तिवाचक संज्ञा

b. समूहवाचक संज्ञा

c. द्रव्यवाचक संज्ञा

d. भाववाचक संज्ञा

6. निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

i. कहत, नटत, खिझत, मिळत, खिलत, लजियात
भरें भौंन में करत हैं नैनन ही सौं बात।
उपर्युक्त पंक्ति में प्रयुक्त रस कौनसा है ?

a. रौद्र रस

b. वीर रस

c. श्रृंगार रस

d. करुण रस

ii. वीर रस का स्थायी भाव कौनसा है ?

a. क्रोध

b. हास

c. उत्साह

d. शोक

iii. श्रृंगार रस का स्थायी भाव कौनसा है ?

a. प्रसन्नता

b. क्रोध

c. रति

d. विस्मय

iv. विभाव, अनुभाव और संचारी भाव की सहायता से रस रूप में क्या परिवर्तित हो जाते हैं ?

a. व्यभिचारी भाव

b. भाव

c. संचारी भाव

d. स्थायी भाव

v. तुझे विदा कर एकाकी अपमानित - सा रहता हूँ बेटा ?
दो आँसू आ गए समझता हूँ उनसे बहता हूँ बेटा ?
पंक्तियों में प्रयुक्त रस लिखिए।

a. रौद्र रस

b. हास्य रस

c. वीर रस

d. करुण रस

7. **निम्नलिखित गद्यांशों को पढ़िए और नीचे दिये गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-**

हालदार साहब को हर पन्द्रहवें दिन कम्पनी के काम के सिलसिले में उस कस्बे से गुजरना पड़ता था। कस्बा बहुत बड़ा नहीं था। जिसे पक्का मकान कहा जा सके वैसे कुछ ही मकान और जिसे बाज़ार कहा जा सके वैसा एक ही बाज़ार था। कस्बे में लड़कों का एक स्कूल, लड़कियों का एक स्कूल, एक सीमेंट का छोटा-सा कारखाना, दो ओपन एयर सिनेमाघर और एक नगरपालिका भी थी। नगरपालिका थी तो कुछ-न-कुछ करती भी रहती थी। कभी कोई सड़क पक्की करवा दी, कभी कुछ पेशाबघर बनवा दिए, कभी कबूतरों की छतरी बनवा दी तो कभी कवि सम्मेलन करवा दिया। इसी नगरपालिका के किसी उत्साही बोर्ड या प्रशासनिक अधिकारी ने एक बार 'शहर' के मुख्य बाजार के मुख्य चौराहे पर नेताजी सुभाषचन्द्र बोस की एक संगमरमर की प्रतिमा लगवा दी।

I. कस्बे में प्रशासनिक विकास का कार्य कराने की जिम्मेदारी किसकी थी?

i. हालदार साहब की

ii. कंपनी की

iii. नगरपालिका की

iv. पानवाले की

II. 'ओपन एयर सिनेमा घर' से क्या आशय है?

i. सिनेमा घर का नाम

ii. बहुत बड़ा सिनेमा घर

iii. खुली छत वाला सिनेमा घर

iv. कस्बे का सिनेमा घर

III. कस्बे में क्या नहीं था?

i. लोहे का कारखाना

ii. स्कूल

iii. नगरपालिका

iv. सिनेमा घर

IV. किसने बाजार के मुख्य चौराहे पर नेताजी की प्रतिमा लगवा दी?

i. नगरपालिका ने

ii. नगरपालिका के एक अधिकारी ने

iii. कंपनी ने

iv. स्कूल ने

V. हालदार साहब कितने दिन पर उस कस्बे से गुजरते थे?

i. सात दिन

ii. दस दिन

iii. बीस दिन

iv. पंद्रह दिन

8. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर दीजिये:

i. मूर्ति किसने बनाई थी?

a. ड्राइंग मास्टर - श्यामलाल

b. ड्राइंग मास्टर - मोतीलाल

c. ड्राइंग मास्टर - राधेलाल

d. ड्राइंग मास्टर - मोहनलाल

ii. संन्यासी बनने के बाद फादर कामिल बुल्के ने अपनी कर्मभूमि के रूप में किस देश को चुना ?

a. भारत

b. बेल्जियम

c. नेपाल

d. इटली

iii. फादर कामिल बुल्के अपनी माँ द्वारा भेजी चिट्ठियाँ किस अभिन्न मित्र को दिखाया करते थे?

a. डॉ० निर्मला जैन

b. डॉ० सत्यप्रकाश

c. डॉ० धीरेंद्र वर्मा

d. डॉ० रघुवंश

9. **निम्नलिखित काव्यांशों को पढ़कर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-**

ऊधौ, तुम हो अति बड़भागी।

अपरस रहत सनेह तगा तैं, नाहिन मन अनुरागी।

पुरइनि पात रहत जल भीतर, ता रस देह न दागी।

ज्य जल माहूँ तेल की गागरिं, बूंद न ताका लागी।

प्रीति-नदी में पाउँ न बोर्दी, दृष्टि न रूप परागी।

'सूरदास' अबला हम भोरी, गुर चाँटी ज्यौं पागी।

I. इस पद में किस भाषा का प्रयोग हुआ है?
   i. ब्रज भाषा
   ii. अवधी भाषा
   iii. खड़ी बोली
   iv. तत्सम प्रधान

II. गोपियों का उद्धव के सामने स्वयं को 'अबला' और 'भोली' बताने का उद्देश्य क्या था?
   i. कटाक्ष करना
   ii. मज़ाक उड़ाना
   iii. झूठ बोलना
   iv. सच बताना

III. गोपियाँ उद्धव को बड़ा भाग्यशाली क्यों कहतीं हैं?
   i. उद्धव कृष्ण के समीप रहते हैं
   ii. उद्धव प्रेम के बंधन से मुक्त हैं
   iii. उद्धव भगवान के भक्त हैं
   iv. उद्धव गोकुल आए हैं

IV. गोपियाँ अपनी तुलना किससे कर रहीं हैं?
   i. पानी में तेल की मटकी से
   ii. सागर की लहरों से
   iii. गुड़ में लिपटी चींटियों से
   iv. कमल के पुष्प से

V. पुरइनि पात का क्या अर्थ है?
   i. कमल का पत्ता
   ii. कमल का फूल
   iii. पुरवाई की हवा
   iv. पूरी तरह

10. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर दीजिये:
   i. रघुपति सयनहि लखनु नेवारे। इस पंक्ति में सयनहि का अर्थ है -

a. आँखों के इशारे से

b. सिर के इशारे से

c. हाथ के इशारे से

d. सभी विकल्प

ii. माँ ने बेटी को किससे सचेत रहने को कहा है?

a. ससुराल वालों के शोषण से

b. मित्रों से

c. पति से

d. पिता से

खंड-ब वर्णात्मक प्रश्न

11. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 25-30 शब्दों में दीजिये:

i. हर वर्ष गंगा स्नान जाते समय भगत के मन में क्या विचार होते थे?

ii. किन-किन चीजों का रसास्वादन करने के लिये आप किस प्रकार की तैयारी करते हैं?

iii. हालदार साहब को नेताजी की मूर्ति को देखकर कैसा अनुभव हुआ था और क्यों? पहली बार में पान के पैसे चुकाकर जब वे चलने लगे तो वे किसके प्रति नतमस्तक हुए थे?

iv. फ़ादर बुल्के की उपस्थिति देवदार की छायी जैसी क्यों लगती थी?

12. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:

i. **कन्यादान** कविता में वस्त्र और आभूषणों को **स्त्री जीवन के बंधन** क्यों कहा गया है?

ii. कवि ने कविता का शीर्षक उत्साह क्यों रखा होगा ?

iii. परशुराम जी को संसार किस रूप में जानता है ?

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर 40-50 शब्दों में दीजिये:

i. माता का अँचल पाठ में बच्चों की जो दुनिया रची गई है वह आपके बचपन की दुनिया से किस तरह भिन्न है?

ii. मूर्तिकार अपने सुझावों को अखबारों तक जाने से क्यों रोकना चाहता था? जॉर्ज पंचम की नाक पाठ के आधार पर बताइए।

iii. देश की सीमा पर बैठे फौजी कई तरह से कठिनाइयों का मुकाबला करते हैं। सैनिकों के जीवन से किन-किन जीवन-मूल्यों को अपनाया जा सकता है? चर्चा कीजिए।

14. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 80-100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिये:

i. **बढ़ते उद्योग कटते वन** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 80 से 100 शब्दो में अनुच्छेद लिखिए।

- भूमिका
- वृक्षों से लाभ
- वृक्षों की कटाई और उसके दुष्परिणाम
- वृक्षारोपण
- उपसंहार

ii. **विज्ञापन की बढती हुई लोकप्रियता** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।

- विज्ञापन की आवश्यकता
- विज्ञापनों से होने वाले लाभ
- विज्ञापनों से होने वाली हानियाँ

iii. **लोकतंत्र और चुनाव** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।

- लोकतंत्र से तात्पर्य
- चुनाव का महत्त्व
- सही प्रतिनिधि के चुनाव से लोकतंत्र की रक्षा

15. किसी विशेष टी.वी. चैनल द्वारा अंधविश्वासों को प्रोत्साहित करने वाले अवैज्ञानिक और तर्कहीन कार्यक्रम प्रायः दिखाए जाने पर अपने विचार व्यक्त करते हुए किसी समाचार पत्र के संपादक को पत्र लिखिए।

OR

आपके शहर में सभी प्रकार के खाद्य पदार्थों में मिलावट का धंधा लगातार बढ़ता ही जा रहा है। अपने राज्य के खाद्य-मंत्री को पत्र लिखकर इस समस्या के प्रति उनका ध्यान आकृष्ट कीजिए।

16. आपकी पुरानी साइकिल अब आपके लिए छोटी पड़ रही है। उसे बेचने के लिए कोई आकर्षक विज्ञापन 25-50 शब्दों में तैयार कीजिए।

OR

राजा फिल्म के.लिए लड़के व लड़कियों की प्रतिभा को परखने हेतु 25-50 शब्दो मे एक विज्ञापन तैयार कीजिए |

17. होली के त्योहार पर मित्र को शुभकामना देते हुए 30-40 शब्दों में एक संदेश लिखिए।

OR

क्लर्क का कार्यालय से समय से पहले जाने के संदर्भ में प्राचार्य को 30-40 शब्दों में संदेश लिखिए।

CBSE Class 10 - Hindi A
Sample Paper 06 (2020-21)

Solution

खंड-अ वस्तुपरक प्रश्न

1. I. (i) अपनी शीतलता पर
   II. (ii) सुगंध बाँटने को
   III. (iii) लोगों ने, क्योंकि हवा दुर्गन्धयुक्त हो गई थी
   IV. (ii) हवा दुर्गन्धयुक्त हो गई थी
   V. (i) दूसरों की बातों की उपेक्षा नहीं करनी चाहिए

OR

   I. (i) जब वह भीतरी आज़ादी को महसूस कर पाएगी
   II. (ii) नैतिक + ता
   III. (iii) क्योंकि आज महिला हर क्षेत्र में आगे है
   IV. (iii) लोकतंत्र
   V. (iii) आज की नारी

2. I. (iii) नवयुवकों से
   II. (ii) क्रांति लाने वाले
   III. (iv) सभी विकल्प सही हैं
   IV. (ii) ओजस्वी
   V. (i) पाप - पुण्य की

OR

   I. (i) नई पीढ़ी के नवयुवक।
   II. (ii) सर्वस्व।
   III. (iii) भारतीयों के पूर्वजों को।
   IV. (i) धीर - गंभीर।
   V. (i) भारत माता को।

3. निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:
   i. (b) तीन

   Explanation: रचना की दृष्टि से वाक्य के तीन भेद होते हैं - सरल वाक्य, संयुक्त वाक्य और मिश्रित वाक्य।

ii. (b) क्रिया

Explanation: सरल वाक्य में एक कर्ता और एक क्रिया का होना आवश्यक होता है। इनमें से किसी भी एक के अभाव में वाक्य पूरा नहीं होता।

iii. (a) मिश्र वाक्य का

Explanation: आश्रित उपवाक्यों के तीन भेद होते हैं - संज्ञा उपवाक्य, सर्वनाम उपवाक्य और क्रियाविशेषण उपवाक्य।

iv. (a) संयुक्त वाक्य

Explanation: ये संयुक्त वाक्य का उदाहरण है क्योंकि इसमें दोनों ही वाक्य पूर्ण अर्थ लिए हुए हैं।

v. (a) उसने कहा कि वह कल जयपुर जाएगा।

Explanation: कि वह कल जयपुर जाएगा - संज्ञा उपवाक्य होने के कारण मिश्र वाक्य है।

4. निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

i. (a) तीन

Explanation: वाच्य के तीन भेद होते हैं -

कर्तृवाच्य, कर्मवाच्य और भाववाच्य

ii. (a) कर्ता की

Explanation: कर्तृवाच्य में कर्ता की प्रधानता होती है और क्रिया कर्ता के अनुसार परिवर्तित होती है।

iii. (d) कर्मवाच्य

Explanation: कर्मवाच्य की क्रिया कर्म के अनुसार परिवर्तित होती है इसलिए कर्मवाच्य में कर्म की प्रधानता होती है।

iv. (d) कर्तृवाच्य

Explanation: इस वाक्य में' पैदल चलने' की क्रिया 'वह' कर्ता के अनुसार होने के कारण यहाँ कर्तृवाच्य है।

v. (a) कर्मवाच्य

Explanation: अज्ञात कर्ता में कर्मवाच्य होता है।

5. निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

i. (d) पद परिचय

Explanation: व्याकरण के नियमों के अनुसार ही वाक्य के लिंग, वचन, क्रिया आदि बताना ही पद परिचय कहलाता है।

ii. (b) विशेषण

Explanation: गीत की विशेषता बताने के कारण यह विशेषण है।

iii. (a) गुणवाचक विशेषण

Explanation: यहाँ 'भावुक' होना व्यक्ति का गुण होने के कारण गुणवाचक विशेषण है।

iv. (b) क्रियाविशेषण

Explanation: 'चलने' क्रिया की विशेषता बताने के कारण 'तेज़' क्रियाविशेषण है।

v. (d) भाववाचक संज्ञा

Explanation: 'दुःख' भाव होने के कारण भाववाचक संज्ञा है।

6. निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:
   i. (c) श्रृंगार रस

      Explanation: प्रेम की प्रधानता होने के कारण यहाँ श्रृंगार रस है।
   ii. (c) उत्साह

      Explanation: वीर रस में उत्साह की प्रधानता होने के कारण इसका स्थायी भाव उत्साह है।
   iii. (c) रति

      Explanation: प्रेम की प्रधानता होने के कारण श्रृंगार रस का स्थायी भाव रति है।
   iv. (d) स्थायी भाव

      Explanation: विभाव, अनुभाव और संचारी भाव की सहायता से स्थायी भाव को रस रूप में परिवर्तित कर देते हैं।
   v. (d) करुण रस

      Explanation: बेटे के जाने के बाद पिता की व्याकुलता व्यक्त होने के कारण यहाँ करुण रस की प्रधानता है।
7. I. (iii) नगरपालिका की
   II. (iii) खुली छत वाला सिनेमा घर
   III. (i) लोहे का कारखाना
   IV. (ii) नगरपालिका के एक अधिकारी ने
   V. (iv) पंद्रह दिन
8. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर दीजिये:
   i. (b) ड्राइंग मास्टर - मोतीलाल

      Explanation: ड्राइंग मास्टर - मोतीलाल
   ii. (a) भारत

      Explanation: फादर कामिल बुल्के ने संन्यासी बनने के बाद अपनी कर्मभूमि के रूप में भारतभूमि को चुना।
   iii. (d) डॉ० रघुवंश

      Explanation: फादर अपनी माँ द्वारा भेजी चिठ्ठियाँ अपने अभिन्न मित्र डॉ० रघुवंश को दिखाया करते थे।
9. I. ब्रजभाषा
   II. कटाक्ष करना
   III. उद्धव प्रेम के बंधन से मुक्त हैं
   IV. गुड़ में लिपटी चींटियों से
   V. कमल का पत्ता
10. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर दीजिये:
   i. (a) आँखों के इशारे से

      Explanation: क्योंकि परशुराम धनुर्भंग हो जाने से बहुत क्रोधित थे और उनके तथा लक्ष्मण के बीच बहुत वाद-विवाद चल रहा था तब स्थिति संभालने के लिए राम ने ऐसा किया था।

ii. (a) ससुराल वालों के शोषण से

Explanation: ससुराल वालों के शोषण से

खंड-ब वर्णात्मक प्रश्न

11. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 25-30 शब्दों में दीजिये:
    i. हर वर्ष गंगा स्नान जाते समय भगत के मन में निम्नलिखित विचार होते -
        a. भिन्न विचारधारा को अपने अन्दर धारण करना |
        b. तीस कोस तक पैदल चलना |
        c. भिक्षा नहीं मांगना |
        d. पांच दिन तक केवल पानी ही पीकर रहना |
        e. संत-समागम को ही प्रमुखता देना |
    ii. फल खाने के लिये उसे धोकर काटना पड़ता है तथा मसाला छिड़कना पड़ता है। सब्जी खाने के लिये उसे साफ करना, धोना, तेल-घी में छौंकना तथा पकाना पड़ता है। फल का रस पीना हो तो उसका जूस निकालना पड़ता है, रोटी खानी हो तो आटा पानी के साथ गूंथना पड़ता है, लोई बनाकर बेलना पड़ता है फिर तवे पर आग पर सेंकना पड़ता है। इसी प्रकार खाने का स्वाद बढ़ाने के लिए सलाद बनाकर उस पर स्वादानुसार नमक-मिर्च-नींबू निचोड़ कर उसे स्वादिष्ट बनाया जाता है | रायता और चटनी बनाकर उसे खाने के साथ खाया जाता है |
    iii. नेताजी की पत्थर की मूर्ति पर चश्मे का असली फ्रेम देखकर हालदार साहब को बड़ा ही विचित्र लगा था | पहली बार पान के पैसे चुकाकर जब वे चलने लगे तो देशभक्तों के प्रति कैप्टन की श्रद्धा और सम्मान की भावना देखकर वे उसके प्रति नतमस्तक हो गए |
    iv. फ़ादर बुल्के की उपस्थिति देवदारु की छाया जैसी इसलिए लगती हैं क्योंकि वे सबके साथ पारिवारिक रिश्ते बनाकर रखते थे,सबके घरों में उत्सवों और संस्कारों में पुरोहित की भाँति उपस्थित रहते थे। हर व्यक्ति को उनसे स्नेह और ममता मिलती थी। दूसरों के लिए उनकी नीली आँखों में सदा वात्सल्य तैरता रहता था।
12. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:
    i. स्त्री जीवन में वस्त्र और आभूषण भ्रम मात्र है। ये स्त्रियों को भ्रमित कर आगे बढ़ने से रोकते है। इस प्रकार के सभी तत्त्व स्त्री जीवन के लिए बंधन है क्योंकि ये उन्हें एक सीमा में बांधे रखती है। वस्त्र-आभूषणों के चकाचौंध में नव-विवाहिताएँ बंधन में ऐसी बंध जाती है कि अपना अस्तित्व ही खो देती है। इसलिए इस कविता में वस्त्र और आभूषण को स्त्री जीवन का बंधन कहा गया है।
    ii. निराला क्रांतिकारी कवि हैं। उन्होंने बादलों को क्रांति का दूत माना है। उसके अनुसार बादलों की गर्जना नवजीवन का प्रतीक हैं। मनुष्य में उत्साह का होना ही उन्नति का प्रतीक है | दुखी और पीड़ित लोगों को क्रांति के लिए जाग्रत करने के उत्साह और जोश की आवश्यकता होती है | बादलों की तेज गड़गड़ाहट से मानो वे जग जाते हैं और परिवर्तन के लिए खुद को तैयार कर लेते हैं। उनमें साहस और शक्ति का संचार करने के कारण कवि ने कविता का शीर्षक उत्साह रखा होगा।
    iii. परशुराम जी को भृगु वंश के ध्वजास्वरूप महाक्रोधी,अहंकारी मुनि के रूप में संसार जानता था और संसार उसे क्षत्रियों के विनाशक के रूप में भी पहचानता है और भगवान परशुराम के पास संसार के सारे अस्त्र-शस्त्र मौजूद है जिससे भी एक

महान योद्धा के रूप में भी जाने जाते हैं।

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर 40-50 शब्दों में दीजिये:

i. इस पाठ में बच्चों की जो दुनिया ग्रामीण जीवन पर आधारित है। ग्रामीण परिवेश में चारों ओर उगी फसलें, उनके दूधभरे दाने चुगती चिड़ियाँ, बच्चों द्वारा उन्हें पकड़ने का असंभव प्रयास, उन्हें उड़ाना, माता द्वारा बलपूर्वक बच्चे को तेल लगाना, चोटी बांधना, कन्हैया बनाना, साथियों के साथ मस्तीपूर्वक खेलना, आम के बाग में वर्षा में भीगना, बिच्छुओं का निकलना, मूसन तिवारी को चिढ़ाना, चूहे के बिल में पानी डालने की कोशिश के वक्त अचानक से शर्प का निकल आना और बच्चे का भागते हुए पिता की जगह माँ के आँचल में छिप जाना।

यह सब हमारे अथवा वर्तमान दौर के किसी भी शिशु के जीवन से बिलकुल भिन्न है। वर्तमान में अधिकाँश माँ-बाप नौकरी करते हैं। और इसी कारण से उन्हें अपने बच्चों के साथ वक्त बिताने का समय नहीं मिलता। आज छोटी से उम्र के बच्चों को उस उम्र में जब उन्हें अपने माता-पिता के साथ वक्त बिताना चाहिए, अपने नन्हें साथियों के साथ खेलना चाहिए, उन्हें उस उम्र में स्कूल में धकेल दिया जाता है। बच्चे क्रिकेट, वॉलीबॉल, कंप्यूटर गेम, वीडियो गेम, लूडो आदि खेलते हैं। जिस धूल में खेलकर ग्रामीण बच्चे बड़े होते हैं तथा मजबूत बनते हैं। उससे इन बच्चों का कोई मतलब नहीं होता है। आज बच्चे टी-वी-, वीडियो देखकर अपनी शाम तथा समय बिताते हैं।

ii. वास्तव में मूर्तिकार सही मायने में एक सच्चा कलाकार नहीं बल्कि पैसों का लालची व्यक्ति था। उसमें देश और देशवासियों के प्रति मान-सम्मान व प्रेम की भावना का नितांत अभाव था | वह पैसों के लिए कुछ भी करने को तैयार था। जॉर्ज पंचम की लाट पर नाक लगाने के लिए उसने अपने देश के महान नेताओं की नाक उतार कर वहाँ लगाने का सुझाव दिया। जब वह इस कार्य में असफल रहा, तब उसने सन् 1942 में शहीद हुए बच्चों की मूर्तियों की नाक उतारने जैसा अत्यंत निकृष्ट सुझाव दिया | जब वह इस कार्य में भी असफल रहा तो अंततः उसने जिंदा नाक काट कर लगाने का सुझाव दिया। वह अपने सुझावों को अखबार वालों तक जाने से इसलिए रोकना चाहता था क्योंकि अगर यह बात जनता तक पहुँच जाती, तो सरकारी तंत्र की नाक तो कटती ही, साथ ही लोग भी मूर्तिकार के विरोध में उठ खड़े होते क्योंकि यह कृत्य भारतीयों के आत्सम्मान को ठेस पहुँचाने वाला था |

iii. देश की सीमा पर बैठे फौजी देश के प्रहरी होते हैं। वे तन-मन से देश की रक्षा करते हैं। सीमाओं पर चाहे तापमान शून्य से नीचे हो या रेगिस्तान में आग बरसाता सूर्य वे मौसम की मार सहते हुए सहर्ष देश की रक्षा में लगे रहते हैं। चौबीस घंटे सतर्कतापूर्वक दुश्मन पर अपनी निगाहें व बंदूकें ताने रहते हैं। अपने परिवार से दूर, वे सदा दुश्मन को मारने के लिए तत्पर रहते हैं। इसके लिए वे अपने प्राणों की भी परवाह नहीं करते। उनका जीवन सभी के लिए एक आदर्श जीवन होता है । वे सबके मन में देश-प्रेम की भावना को जगाते है। वे हमें सिखाते हैं कि देश से बड़ा कोई नहीं है। देश है, तो हम हैं। जिस देश की माटी में हमने जन्म लिया, उसके लिए बलिदान करने के लिए सदा तैयार रहना चाहिए। परिवार, समाज, मित्र व शारीरिक सुख सभी देश के बाद हैं। हमें उनसे हर परिस्थिति में खुश रहने व जीवन की कठिनाइयों का सामना करने के जीवनमूल्य की सीख मिलती हैं। सैनिकों का समस्त जीवन एक संघर्ष है, जिसे अपनाकर हम अपने जीवन को कुंदन बना सकते हैं।

14. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 80-100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिये:

i. **भूमिका-** ईश्वरीय सृष्टि की अद्भुत, अलौकिक रचना प्रकृति है। मनुष्य ने प्रकृति की गोद में आँखें खोली हैं एवं प्रकृति ने ही मनुष्य का पालन-पोषण किया है, दोनों एक-दूसरे के पूरक हैं। उद्योगों के बढ़ने से वनों की कटाई बढ़ती जा रही है।

वृक्षों से लाभ- मनुष्य का सम्पूर्ण जीवन पेड़-पौधों पर आश्रित रहता है। पेड़-पौधों की लकड़ी विभिन्न रूपों में मनुष्य के काम आती है। वृक्षों से हमें फल-फूल, जड़ी-बूटियाँ आदि प्राप्त होती हैं। शुद्ध वायु एवं तपती दोपहर में छाया वृक्षों से ही प्राप्त होती है। वृक्ष वर्षा में सहायक होते हैं एवं भूमि को उर्वरक बनाते हैं।

वृक्षों की कटाई और उसके दुष्परिणाम- जनसंख्या के दबाव, शहरों का विस्तार, फैक्ट्रयों के लिए भूमि की कमी को दूर करने के लिए वृक्षों की व्यापक पैमाने पर कटाई मनुष्य के द्वारा की जा रही है, जिसके परिणामस्वरूप प्रदूषण का बढ़ना एवं प्राकृतिक आपदाओं से विनाश का खतरा बढ़ता जा रहा है।

वृक्षारोपण- देर से सही, मनुष्य ने वृक्षों के महत्व को स्वीकारा तो है। वन विभाग द्वारा नये वृक्षों का रोपण किया जा रहा है एवं पुराने वृक्षों का संरक्षण किया जा रहा है। लोगों को जागरूक करने के लिए वन महोत्सव प्रारम्भ किया गया है जो जुलाई मास में मनाया जाता है जिसमें व्यापक रूप से वृक्षारोपण कार्यक्रम चलाया जाता है।

उपसंहार- आज आवश्यकता इस बात की है कि मनुष्य प्रकृति से जुड़े। यह समझे कि कुल्हाड़ी वृक्षों पर नहीं वरन् उसी पर चल रही है। हमारी संस्कृति में वृक्षों पर देवताओं का वास बताया गया है एवं वृक्ष काटना भयंकर पाप बताया है। वृक्षारोपण करने को महान् पुण्य बताया है।

ii. आज के युग को विज्ञापनों का युग कहा जा सकता है। आज सभी जगह विज्ञापन-ही-विज्ञापन नज़र आते हैं। बड़ी-बड़ी कंपनियाँ एवं उत्पादक अपने उत्पाद एवं सेवा से संबंधित लुभावने विज्ञापन देकर उसे लोकप्रिय बनाने का हर संभव प्रयास करते हैं। किसी नए उत्पाद के विषय में जानकारी देने, उसकी विशेषता एवं प्राप्ति स्थान आदि बताने के लिए विज्ञापन की आवश्यकता पड़ती है। विज्ञापनों के द्वारा किसी भी सूचना तथा उत्पाद की जानकारी, पूर्व में प्रचलित किसी उत्पाद में आने वाले बदलाव आदि की जानकारी सामान्य जनता को दी जा सकती है।

विज्ञापन का उद्देश्य जनता को किसी भी उत्पाद एवं सेवा की सही सूचना देना है, लेकिन आज विज्ञापनों में अपने उत्पाद को सर्वोत्तम तथा दूसरों के उत्पादों को निकृष्ट कोटि को बताया जाता है। आजकल के विज्ञापन भ्रामक होते हैं तथा मनुष्य को अनावश्यक खरीदारी करने के लिए प्रेरित करते हैं। अतः विज्ञापनों का यह दायित्व बनता है कि वे ग्राहकों को लुभावने दृश्य दिखाकर गुमराह नहीं करें, बल्कि अपने उत्पाद के सही गुणों से परिचित कराएँ। तभी उचित सामान ग्राहकों तक पहुँचेगा और विज्ञापन अपने लक्ष्य में सफल होगा।

iii. 'लोकतंत्र से तात्पर्य' जनता के तंत्र' यानी जनता के शासन से है। लोकतंत्र एक ऐसी शासन प्रणाली है, जिसमें अप्रत्यक्ष या प्रत्यक्ष रूप से जनता शासन करती है। जब जनता अप्रत्यक्ष रूप से शासन करती है, तो वह चुनाव के माध्यम से अपना प्रतिनिधि चुनती है, जो जनता के नाम पर जनता के लिए शासन करता है। एक निश्चित अंतराल पर चुनाव का निरंतर संपन्न होना आवश्यक है ताकि जनता अपने प्रतिनिधि के कार्यों का समय-समय पर मूल्यांकन कर सके। चूंकि जनता के प्रतिनिधि ही सामान्यतया शासन करते हैं। अतः उन्हें निरंकुश बनने से रोकने के लिए समय-समय पर चुनाव होने आवश्यक हैं। जनता सही प्रतिनिधि का चुनाव करके लोकतंत्र का निर्माण एवं रक्षा करती है। लोकतंत्र में वास्तविक संप्रभुता लोगों यानी जनता के पास ही होती है। अतः जनसामान्य के लिए आवश्यक है कि वह निष्पक्ष होकर लोकतंत्र की कसौटी पर खरा उतरने वाले लोगों का ही अपने प्रतिनिधि के रूप में चयन करें, जो न केवल बेहतर शासन-प्रबंध करने में सक्षम हों, बल्कि लोकतंत्र को सुदृढ़ करने में अपना महत्त्वपूर्ण योगदान भी दें, क्योंकि सही प्रतिनिधि के चुनाव से ही लोकतंत्र की रक्षा संभव है।

15. डी-413, सरोजनी नगर,

नई दिल्ली।
दिनांक : ....
सेवा में,
मुख्य सम्पादक,
हिन्दुस्तान टाइम्स,
बहादुरशाह जफ़र मार्ग,
नई दिल्ली।
विषय: टी.वी चैनल द्वारा अंधविश्वासों को प्रोत्साहित करने वाले कार्यक्रम पर प्रतिबंध लगाने हेतु पत्र।

महोदय,

मैं भारतीय हूँ और दिल्ली का निवासी हूँ। मैं आपका ध्यान टी. वी चैनलों पर दिखाए जाने वाले आपत्तिजनक कार्यक्रमों पर आकर्षित करवाना चाहता हूँ। जो मुझे तर्कहीन और आधाररहित लगते है। कुछ कार्यक्रम ऐसे हैं जिनमें अंधविश्वासों को बढ़ावा दिया जा रहा है। इन कार्यक्रमों के माध्यम से आप हजारों-लाखों लोगों को अंधविश्वास के प्रति प्रोत्साहित कर रहे है। इस प्रकार के कार्यक्रमों का प्रभाव विशेषकर बच्चे और घरेलू स्त्रियों पर पड़ता है। कुछ पढ़े लिखे लोग भी इसकी चपेट में आ जाते हैं। कभी-कभी लोग अपनी समस्या के निवारण के लिए ढ़ोंगी बाबा पर विश्वास कर गलत काम करने को भी तैयार हो जाते हैं। इससे समाज में हिंसा बढ़ सकती है। इस प्रकार की मानसिक्ता के साथ समाज का कल्याण नहीं हो सकता है। अतः आपसे निवेदन है कि इस प्रकार का टी.वी. प्रसारण रोकने हेतु उचित लेख लिख कर समाज को जागरुक करें। सरकार को इस विषय की जानकारी दी जाए। निर्माताओं को भी उनके कर्तव्यों से अवगत करवाया जाए। आशा करता हूँ कि जल्द ही आप इस विषय पर उचित कार्यवाही कर इस समस्या का निवारण करने में सफल होंगे।

धन्यवाद,
भवदीय,
मनीष गुप्ता

OR

सेवा में,
खाद्य मंत्री,
राजस्थान सरकार, जयपुर
विषय-खाद्य पदार्थों में होने वाली मिलावट संबंधी गतिविधियों के संदर्भ में
महोदय,
आप भली-भांति जानते है कि त्योहारों का मौसम आ पहुंचा है जिसमें खाद्य पदार्थों की महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है। इस समय बाजार में खाद्य पदार्थों की माँग बहुत बढ़ जाती है और उनकी पूर्ति करने के लिए मिलावट करने वालो का धंधा भी ज़ोर पकड़ने लगता है जिससे ग्राहक बहुत परेशान होते हैं।

आपको सूचित करते हुए बड़ा खेद हो रहा है कि आजकल हमारे शहर जयपुर में खाद्य पदार्थों में मिलावट का धंधा बड़े जोरों पर चल रहा है। लोग घी में खूब मिलावट कर रहे हैं। अभी-अभी छापा मारकर 600 मिलावटी घी की टीनें पकड़ी गई हैं। मसालों में भी खूब मिलावट हो रही है, मिठाई में खोया-मिलावट वाला ही डाला जाता है जो स्वास्थ्य के लिए बहुत हानिकारक है। दूध में दूधिया सिथेंटिक दूध मिला दिया जाता हैं | इन सभी कारणों से शहर का जन जीवन बीमारियों से घिरता जा रहा है। कोई भी खाद्य-पदार्थ मिलावट के अवैध कारोबार से अछूता नहीं है।

इस पत्र के माध्यम से मैं अनुरोध करना चाहता हूँ कि आप सम्बन्धित विभागीय कर्मचारियों को सचेत करें जिससे वे जगह-जगह छापामार कार्यवाही हो और दोषी लोगों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाए ताकि जनजीवन विभिन्न बीमारियों से सुरक्षित हो सके। आपकी अति कृपा होगी।

भवदीय

किशन लाल

करुणा धाम विकास समिति

जयपुर

दिनांक : 17 जनवरी, 2019

16.

सेकेण्ड हैण्ड साइकिल

सबसे कम दाम में

आप सभी को सूचित किया जाता है कि मेरे पास एक साइकिल है जिसे मैं बेचना चाहता हूँ।

मैंने यह साईकिल तीन वर्ष पहले खरीदी थी। बिक्री वाली साईकिल हीरो कंपनी की है जिसे मैंने दिल्ली के शोरूम से 4000 में खरीदा था।

यह साईकिल बिल्कुल ठीक है। मैंने एक बड़ी साइकिल ले लिया है जिसके कारण मै यह साईकिल बेच रहा हूँ।

इस साईकिल को खरीदने के लिए आपको मात्र 1500/- रुपए देने होंगे।

आपको साईकिल के साथ इसके कागजात भी उपलब्ध कराए जाएंगे।

इतनी शानदार साईकिल आपको शायद ही कहीं मिलेगी।

यदि आप इसे खरीदने को इच्छुक हैं तो और अधिक जानकारी के लिए मुझसे संपर्क करें।

मैं अपना नाम और पता नीचे लिख रहा हूं जहां आप आकर साईकिल ले सकते हैं।

धन्यवाद!

गिरीश, 276/P गोविंद नगर, दिल्ली।

OR

सुनहरा मौका

चूक न जाना !

क्या आप अभिनय में रुचि रखते हैं और इस क्षेत्र में अपना भविष्य बनाना चाहते हैं तथा फिल्मों में आना चाहते हैं?

- अपनी कला को एक नई पहचान दें
- अपने सपनों को साकार करें

तो आइए और **"राजा"** फिल्म में अभिनय करने के लिए अपनी प्रतिभा सिद्ध कीजिए।

ऑडिशन दिनांक २२ फरवरी,२०१९ को प्रातः 10 बजे से प्रारंभ

ऑडिशन स्थान- प्रथम तल, द्वारका सेक्टर - 8, फोन : 884545XXXX

17.

संदेश

दिनांक: 9 मार्च, 2020

समय: प्रातः: 9 बजे

प्रिय मित्र!

कल रंगों से भरी होली का त्योहार है। ये रंग आपके जीवन में सदा खुशियाँ लाए। आपके जीवन में सुख-समृद्धि का आगमन हो। इस पावन पर्व पर मेरे और मेरे परिवार की ओर से आपको और आपके परिवार को हार्दिक शुभकामनाएँ।

गिरीश

OR

संदेश

12 अक्तूबर 2020

सुबह 11:30 बजे

महोदय,

श्रीमान मेरे घर से फोन आया था कि मेरे बच्चे की तबीयत बहुत ख़राब है। इसलिए मुझे शीघ्र घर जाना पड़ गया। छात्रों के पंजीयन की फ़ाइल मैंने बड़े शिक्षक बनवारी लाल जी को दे दी है।

क्लर्क

रणधीर सिंह राठौर